वर्मीकम्पोस्ट बनाने के लिए ज़रूरी सामग्री

वर्मीकम्पोस्ट बनाने के लिए ज़रूरी सामग्री का चयन और उपयोग कृषि में एक महत्वपूर्ण कार्य है। वर्मीकम्पोस्ट एक प्रकार का कम्पोस्ट होता है जो कीटों के सहायता से बनता है और ये कीटों के जीवनकाल में विशेष विकास के प्रक्रियाओं द्वारा बनता है। इसका उपयोग उर्वरक और मिट्टी स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए किया जाता है और किसानों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का अहसास कराता है।

वर्मीकम्पोस्ट बनाने के लिए प्रमुख सामग्री में शुद्ध जीवाश्म, खाद, जैविक खाद, शुद्ध नरम कीटकारियों, खाने के बचे हुए रसायनिक या बाह्य उपकरण, और स्वच्छ जल शामिल होता है। शुरू में, एक स्थायी और सुखाया हुआ स्थान चुनें, जो कम्पोस्टिंग के लिए उपयुक्त हो। इसके बाद, उपयुक्त प्रकार की मिट्टी का चयन करें, जैसे कि खाद या मिट्टी। फिर, शुरू करने के लिए विभिन्न प्रकार की खाद और जीवाश्म मिश्रित करें।

वर्मीकम्पोस्ट बनाने के लिए ज़रूरी सामग्री में खाद का महत्वपूर्ण योगदान होता है। खाद का उपयोग बारीक कीटों के लिए उपयुक्त होता है जो कम्पोस्ट में उत्पन्न होते हैं। खाद का उपयोग भूमि की उर्वरता बढ़ाता है और मिट्टी में विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों को जोड़ता है। यह कम्पोस्ट को मिट्टी में आसानी से मिलाया जा सकता है और पौधों को आवश्यक पोषण प्रदान करता है।

अन्य महत्वपूर्ण सामग्री में शुद्ध जीवाश्म और खाद शामिल हैं। शुद्ध जीवाश्म का उपयोग कम्पोस्टिंग प्रक्रिया को बढ़ावा देता है और खाद की तरह भूमि में जीवानुयायी कार्बन को प्रदान करता है। इसके अलावा, खाद भी कम्पोस्ट की गुणवत्ता को बढ़ाता है और पौधों को आवश्यक पोषण प्रदान करता है।

जीवाश्म, खाद और अन्य सामग्री के अलावा, जीवाश्म या शुद्ध नरम कीटनाशको का उपयोग भी किया जाता है। ये कीटनाशक कम्पोस्टिंग प्रक्रिया को अधिक गति से पूरी होती हैं और कम्पोस्ट की गुणवत्ता को बढ़ाती हैं। इसके अलावा, ये कीटकारियां मिट्टी को हेल्दी रखने में मदद करती हैं और उसमें पोषण को बनाए रखती हैं।

वर्मीकम्पोस्ट बनाने के लिए अन्य महत्वपूर्ण सामग्री में खाने के बचे हुए रसायनिक उपकरण शामिल होते हैं। ये सामग्री कम्पोस्ट प्रक्रिया को गति देती हैं और कम्पोस्ट की गुणवत्ता को बढ़ाती हैं। इसके अलावा, ये उपकरण कम्पोस्ट में उपस्थित संग्रह और प्रसंस्करण को सुनिश्चित करते हैं।

वर्मीकम्पोस्ट बनाने के लिए अंत में स्वच्छ जल का उपयोग किया जाता है। स्वच्छ जल की उपस्थिति कम्पोस्ट प्रक्रिया को समाप्त करने के लिए आवश्यक होती है और कम्पोस्ट को पौधों को अधिक उपयोगी बनाने के लिए उपयोगी होती है।

इन सभी सामग्रियों का उपयोग करके वर्मीकम्पोस्ट बनाने की प्रक्रिया को पूरा किया जा सकता है। इस प्रक्रिया का पालन करने से किसान अपने खेतों को स्वस्थ और फलदायक बना सकते हैं, और पर्यावरण को भी स्वस्थ रख सकते हैं।

वर्मी कम्पोस्ट (Vermicompost) केंचुआ खाद बनाते समय ध्यान देने योग्य बातें –

इस खाद को सभी ज़रूरी सामग्री के साथ तैयार करने में प्रक्रिया स्थापित होने के बाद एक से डेढ़ महीने का वक्त लगता है। आपको हर महीने एक टन खाद पाने के लिए **100** वर्गफुट आकार की नर्सरी बेड सही रहती है। केंचुआ खाद की केवल 2 टन मात्रा प्रति हेक्टेयर जरूरी है।

कितनी आद्रता की जरूरत

कम्पोस्ट तैयार करने के लिए आर्द्रता की जरूरत होती है, क्योंकि केंचुए नम स्थान पर ही रहते हैं। केंचुए को अपने लाइफ साइकिल की ज़रूरत अधिक होती है इसलिए प्रतिदिन तैयार शेड पर सिंचाई करना अहम होता है।

तापक्रम –

वर्मीकंपोस्ट के लिए केंचुओं के लिए **10-40** डिग्री सेल्सियस तापक्रम ठीक माना जाता है। तापक्रम अगर अधिक होने लगता है तो इसके नियंत्रण के लिए शेड के चारों तरफ बोरों को काट कर लटका दिया जाता है व इन बोरों को पानी से गीला कर दिया जाता है।

वायु संचारण –

केंचुए के विकास और वृद्धि के लिए वायु संचरण अहम हो जाता है। वायु संचरण अच्छी तरह से हो इसके लिए बेड तैयार करते वक्त सूखी घास और नारियल के छिलकों का इस्तेमाल करना चाहिए। शेड को चारों ओर से खुला रखा जाता है।

कीट नियंत्रण –

केंचुए के कम्पोस्ट तैयार करने वाली जगह को चीटियों व दीमक से मुक्त रखने के लिए गड्ढे को एक महीने पहले कीटनाशकों से उपचारित किया जाता है।

छाया करना –

कम्पोस्ट तैयार करते समय छाया की अच्छी व्यवस्था की जानी चीहिए।

सुरक्षा –

पशु व पक्षियों से सुरक्षा के लिए शेड के चारो ओर तारो की फेन्सिंग या बाड़ लगाना आवशयक होता है।

वर्मीकम्पोस्ट तैयार करने के लिए वर्मी को भोजन की जरूरत होती है जिसे वर्मीकम्पोस्ट का कच्चा माल कहा जाता है। इसमें शामिल होते हैं

1. **फसल के अवशेष**
2. **रसोई से निकला कचरा जिसमें सब्जियां, अनाज शामिल हैं।**
3. **सूखा गोबर**
4. **गीला गोबर**
5. **सूखी पत्तियां**
6. **बगीचे से निकलने वाले कचरे जैसे फूल और पत्तियां वगैरह।**

ध्यान रखने वाली बातें-

वर्मी कंपोस्ट की तैयारी में नमी पर खास ध्यान देना चाहिए। फिर चाहे वर्मीकंपोस्ट के लिए गड्ढे में गोबर डालें या किचन वेस्ट, सब कुछ सूखा होना चाहिए। आप अपनी खाद को धूप में रखकर सुखा सकते हैं। वर्मी कंपोस्ट बिल्कुल समय पर और सही तरीके से तैयार हो जाएगा।